

वक्फ संशोधन विल का बिहार चुनाव पर असर पड़ना तय

- वक्फ बिल का समर्थन कर नीतीश ने खेला माइंड गेम
 - बिहार में मुस्लिम वोटों की सियासत को नया मोड़ देने की कोशिश
 - राजद-कांग्रेस को उनके ही हथियार से मात देने की तैयारी
 - अंततः तैयारी ज्यादा से ज्यादा हिंदू वोटरों को साधने की ही है

वक्फ विधेयक के कानून बन जाने के बाद देश के मौजूदा सियासी समीकरणों में बदलाव की लहर दिख तो रही है, लेकिन इस लहर का असर कितने दिन तक रहेगा, यह देखनेवाली बात होगी। इस साल के अंत में होनेवाले बिहार चुनाव पर वक्फ बिल का असर होना तो तय है। वैसे जानकारों का कहना है कि वक्फ संशोधन बिल, जम्मू कश्मीर की धारा 370 जैसा ही है। फिर तो आने वाले चुनावों पर इस बिल का असर भी करीब-करीब वैसा ही होना चाहिए। पूरे देश

में न सही, लेकिन आने वाले बिहार चुनाव में तो वक्फ बिल का साफ असर देखने को मिल सकता है। चुनाव की तारीख आते-आते तो वक्फ बिल बतौर कानून लागू हो चुका होगा, ऐसा

कानून का पहला चुनावी परीक्षण तो बिहार में ही होना है। नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने संसद में बिल का समर्थन कर एक ऐसा माइंड गेम खेला है, जिससे राजद उफ और कांग्रेस के भीतर असमंजस की स्थिति है। नीतीश कुमार

ने बिल में कुछ ऐसे संशोधन कराये, जिनसे उनके पास मुस्लिमों, खास कर पसमांदा (पिछड़े) मुसलमानों का बड़ा तबका कायम रह गया है। वास्तव में नीतीश कुमार ने बिल का समर्थन कर बिहार में मुस्लिम वोटों का ध्रुवीकरण रोक दिया है, जो राजद और कांग्रेस का मजबूत हाथियार साबित हो सकता था। इस सियासी चाल का क्या होगा असर और कैसे आसान होगी नीतीश कुमार की राह, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता सरकेश सिंह।



बिहार का सियासी परिवर्त्य

वक्फ संशोधन बिल राज्यसभा से पास होने पर विपक्षी दलों ने इसे असंवैधानिक, जनविरोधी और राजनीति से प्रेरित बताया है। वहीं, एनडीए के नेताओं ने इसे अल्पसंख्यकों के साथ ही देश के लिए एक बेहतरीन कदम बताया है। लेकिन इन सबसे अलग एक सवाल खड़ा होता है कि आखिर इस बिल को अभी क्यों पास कराया गया है और इसका बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव पर क्या असर पड़ेगा। इसी को समझने की कोशिश है यह लेख।

वक्फ संशोधन बिल का समर्थन कर नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने सबको चौंका दिया है। लोग चर्चा कर रहे हैं कि आखिर खुद को सेक्युलर पार्टी कहने वाली जदयू ने यह फैसला क्यों लिया है। पिछले चुनावों के अपने दो पार्टी नेतृत्व द्वालें पार्टी

बिहार चुनाव पर असर

के लिए माइंड गेम खेला है। लेकिन अगर कुछ सियासी जानकारों की मानें तो उनके तर्क तो भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इतना तो तय हो गया कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव आम चुनावों से भिन्न होने जा रहा है। यह अलग बात है कि राजद

लेकिन जदयू की तरफ से वक्फ बिल में भाजपा पर दबाव डालकर मुस्लिम समुदाय के हित में जो बदलाव कराये गये हैं, उसका भी कुछ न कुछ असर जरूर दिखेगा। अगर नीतीश कुमार और उनके साथी अपनी बात समझाने में कामयाब हुए, तो फर्क तो पड़ेगा ही। ज्यादा न सही, लेकिन पूरी तरह खिलाफ जाती हुई चीजों को संतुलित तो किया ही जा सकता है, यानी वोटों का ध्वनीकरण तो रोका ही जा सकेगा।

**2020 का चुनाव
और जदयू**

2020 के चुनाव में जब जदयू राज्य की पहले नंबर से

जरूरी है का नशा टूटा। 2005 के चुनाव से लेकर 2020 के चुनाव आते-आते मुस्लिम मत जदयू के खाते से इस कदर निकलते रहे कि 2020 के

उठा रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि वक्फ संशोधन बिल का विरोध करने वाले मुस्लिम अल्पसंख्यक हैं, जिनकी आबादी बिहार में 18 फीसदी है और 73 प्रतिशत पसमांद मुसलमान हैं।

नीतीश कुमार की सिरासी चाल

राज्यसभा में जब इस बिल पर वर्चां हो रही थी, तब जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय दझा ने बताया कि आखिर उनके नेता नीतीश कुमार के मन में इस बिल को लेकर क्या शंकाएँ थीं, जिन्हें भाजपा ने दूर कर दिया। जदयू ने यह स्पष्ट किया कि पहले से बने इस्लामिक धार्मिक स्थलों, महत्वपूर्ण योजनाएँ लागू की हैं। उन्होंने जोर दिया कि इस विधेयक से मुस्लिम समाज को कोई नुकसान नहीं होगा और यह उनके हित में है। जदयू का यह भी कहना है कि पार्टी का लक्ष्य किसी भी धार्मिक समुदाय के अधिकारों का उल्लंघन किये बिना सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है।

**रामनवमी जुलूस की अनुमित नहीं मिलने पर चंपाई ने सरकार पर साधा निशाना
क्या झारखण्ड में हिंदू होना अपराध है : चंपाई सोरेन**

पाकुड़ में थोभा यात्रा के लिए
आवश्यक लाइसेंस से संबंधित
दस्तावेज़ प्रस्तुत नहीं किये
गये थे : जिला प्रशासन

आजाद सिपाही संवाददाता
पाकुड़। रामनवमी आयोजन

The image is a composite of three photographs. The leftmost photo shows a man in a white shirt from the chest up, gesturing with both hands open as if counting or emphasizing something. The middle photo is a portrait of a man with glasses and a mustache, wearing a yellow kurta-pajama. The rightmost photo is another portrait of a man, also with glasses and a mustache, wearing a blue kurta-pajama.

चाइबासा म फर
मिला आइडी, तीन
बंकर भी धस्त
गाइबासा। जंगल में घुसे जवानों ने

विवार को नक्सलियों को तीखी चोट लाता है। — जो देश के सभी लोगों के लिए एक

हिंदू विरोधी तत्वों के दबाव में है राज्य सरकार : बाबूलाल

पाकुड़ में रामनवमी जुलूस की अनुमति नहीं मिलने पर बिफरे प्रदेश अध्यक्ष आजाद सिपाही संवाददाता

मरांडी ने कार्यकर्ताओं को दी शुभकामनाएं
रांची (आजाद सिपाही)। भारतीय

जनता पार्टी के 46वें स्थापना दिवस के अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता बाबूलाल मरांडी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने ट्रीट कर पार्टी की वैचारिक नींव और अब तक की उपलब्धियों को याद किया। मरांडी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अटल बिहारी वाजपेयी सहित उन सभी महापुरुषों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने राष्ट्रभक्ति की भावना से भाजपा की आधारशिला रखी और करोड़ों कार्यकर्ताओं को एकजुट कर एक सशक्त संगठन खड़ा किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अंत्योदय के सिद्धांत को अपनाते हुए गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं, और उन्हें जमीन तक पहुंचाया। मरांडी ने राम मंदिर आंदोलन, अनुच्छेद 370 की समाप्ति और समाज के वर्चित वर्गों के कल्याण जैसे मुद्दों पर पार्टी की प्रतिबद्धता को दोहराया। अपने संदेश में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए पूरी निष्ठा से काम कर रहा है।

रामनवमी : राममय हुई राजधानी, धूमधाम के साथ मना राम का जन्मोत्सव



फोटो : प्रदीप ठाकुर।

राशिफल	
डॉ एनके बेरा	9431114351
मेष	आजाद सिपाही के लोग सोते बैठे गए, गोल-समाना, एट-प्रतियो, एन-एरेट की गुंडी।
वृष	राजसांसारिक प्रयास राजस, दिव्य-गुण्डि परिणाम का विकास होगा, ग्रहव्याप्ति कर्त्ता पूरे होगे।
मिथुन	अत्याकृतिक गुंडी, नवे कारबोलाऊओं का प्राति स्वीकृति।
कर्क	कर्क लोगों की गुंडी, सुख-संसाधनों की गुंडी, विश्वासित कर्त्ता जी।
सिंह	कारबोल का विकास, आप उन्नति के गार्भ की ओर प्रवास होंगे, संकलित कर्त्ता पूरा होगा।
कन्या	बहुत लोगों से वर्षा आ रही इंद्रजीतों की गुंडी होगी, वायाचार संपर्क।
तुला	कुछ संसर्जन के गत जीकरी-संस्कारी घटावों में अतिरिक्त संकरण लियेगा।
द्वितीय	वृद्धिक लर्ड ताता उल्लास का वायाचार दर्शन, संकर, वैर्य से काम आवाज होंगे।
धनु	आप के गते सोते बैठे, प्रावदानी व्यापार का विकास, दूसरे परिषार होंगा।
मकर	नवे लोगों का आंखों ही सताना, हैंडियर में गवालिक कार्य सुलझ जाए।
कुम्ह	उद्योग सुख घटावों में तेजी, उत्तम-उत्तम नवा रसना, गवान के साथ बोलने, जले लोगों से सारांश।
मीन	किंशी लोग कार्य आठवें कर्कने से पूर्ण परिषार पर विवाह-विवरण करें, कठिनाईया पर विजय।

श्रीराम जानकी बैठे हैं मेरे सीने में...



सांसद संजय सेठ और विधायक सीपी सिंह को सम्मानित करते चंद्रशेखर आजाद लल्लू के अध्यक्ष रमेश सिंह।



रामनवमी के जुलूस में केंद्रीय समिति श्री महावीर मंडल के अध्यक्ष जय सिंह यादव और अन्य पदाधिकारी।



रामनवमी के जुलूस में गदा लिये राजीव रंजन मिश्रा और अन्य रामभक्त।

कोकर चौक में जुटे रामभक्त



भगवान् यम, माता सीता, बागवतली और अन्य देवी-देवताओं की शाकियों निकाली गयी।

आजाद सिपाही संवाददाता

रामनवमी के अवसर पर भव्य शाकियां निकाली गयीं। पूरी रांची सहित मेन रोड में महावली हनुमान और भगवान् श्रीराम के जयकारों की गूंज चहंडे और थोंडे इस दैयन श्रीराम जानकी बैठे हैं मेरे साने में... भजन पर रामभक्त खुब ज्ञामे। शाकियों में शामिल सैकड़ों श्रद्धालुओं ने अस्त्र-स्वस्र का प्रदर्शन किया। मेन रोड, रातू रोड, कांके रोड, और कच्चरोड से कई शाकियां निकलीं। अमर समिति मधुकम, इंद्रपुरी विडला पैदान, शिव महावीर, मंदिर किशोरगंग, धावन नगर कांके रोड, महावीर मंदिर लेक रोड, दुर्गा महावीर मंदिर हिंदपीढ़ी, महावीर मंदिर गुदड़ी कर्बला चौक सहित अन्य स्थानों से भगवान राम, माता सीता, बजरंगबली और अन्य देवी-देवताओं की शाकियां निकाली गयीं। नव कल महावीर मंदिर, थाइपखना द्वारा विश्वाल ज्ञाकी निकाली गयी, जिसमें भगवान राम का दरबार, माता सीता और हनुमान जी की प्रतिमा विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस दौरान ढी-इंजी सह एस-एसी चंदन कुमार सिन्हा सहित अन्य वरियों अधिकारी सुरक्षा में तैनात दिखे।

महानवमी पर विराट शोभा यात्रा निकाली

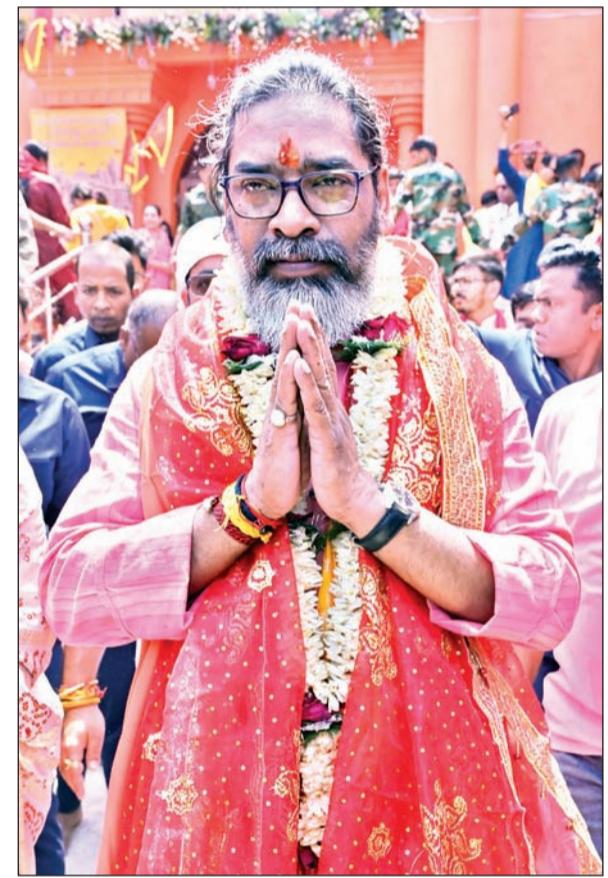
रांची (आजाद सिपाही)

श्री महावीर मंडल स्वागत समिति रामरूप रोड रांची की ओर से श्री रामनवमी महोत्सव के पावन अवसर पर महानवमी की विराट शोभा यात्रा निकाली गयी। समिति के संयोजक प्रेम वर्मा, अध्यक्ष मुकेश मुक्ता ने शोभा यात्रा का नेतृत्व किया। शोभा यात्रा में कोलकाता से आये ताशा पार्टी के धुन में खिलाड़ी हैट-अपरेज खेल का प्रदर्शन करते चल रहे थे। शोभा यात्रा हरमू रोड से अपर बाजार होते हुए मेन रोड से तपोवन मंदिर निवारणपुर पहुंची जहां महावली हनुमान के दरबार में दर्शन करके सभी राम भक्त अपने घर लौटे। शोभा यात्रा में विजय महतो, हरीश तिवारी, अनिल माथूर, पपू वर्मा, सर्तेव वर्मा, सखिदानंद सोनी, पंकज पांडेय, प्रतीक वर्मा गुड़ू, शिव मिश्रा, राम सोनी, प्रणिक वर्मा, सोंभर वर्मा, सन्धी वर्मा, संदीप वर्मा, अंकित कुमार, जोगेंद्र प्रजापति, संजय लाल गुप्ता, प्रिंस वर्मा बिल्लू, अमन चंद्रवंशी मिठू, रोहित वर्मा, गुड़ू जा, रोहित सानी, विकानी वर्मा, राहुल वर्मा, लल्लू अग्रवाल, आलोक अग्रवाल एवं समिति के गणमान्य सदस्य शामिल थे।



मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

रामनवमी पर्व को लेकर राजधानी रांची के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालु सुबह से ही पूजा करते नजर आ रहे। लोगों ने अपने-अपने झांडों का पूजन कर भगवान श्रीराम से सुख, समृद्धि और सांति की कामना की।



मुख्यमंत्री हेमत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन ने रामनवमी पर्व के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री आवास स्थित मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्पण कर कराज के सदाचारिण विकास, सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।



रामनवमी के जुलूस में आशा लकड़ा, ललित ओझा और अन्य।

श्री वीर हनुमान मंदिर, कोकर चौक



कोकर चौक में निर्वातन उपमहापौर संजीव विजयवर्गीय, सुरेंद्र सिंह, पशुपति नाथ सिंह, पुरवार पासवान और सूरज सिंह।

